

Strenuous, *a.* सोत्साह, सोद्यम, सोद्योग, महोद्यम; अविरत, अविरात, अभिनिविष्ट, संतत. -ly, *adv.* सोत्साहं, प्रयत्नेः, अविरतं. -ness, *s.* उत्साहः, उद्योगः, उद्यमः, उद्यम-सातत्यं; See Energy, Industry.

Stress, *s.* भारः, भरः; गुरुत्वं, माहात्म्यं, गौरवं, प्रभावः, बलं; 'I lay s. on this point' इममर्थं गुरुप्रयोजनं-गुरु-मन्ये.

Stretch, *v. t.* विस्तृ-स्तृ *c.*, प्र-वि-तन् 8 U, आयम् 1 P, दीर्घीकृ 8 U; (hand) प्रस् *c.*, लम्ब *c.* -*v. i.* प्र-वि-तन् *pass.*, विस्तृ *pass.*, प्र-स्तृ 1 P, प्र-लम्ब 1 A; See Extend also. 2 Exaggerate, *q. v.* -*s.* वितति *f.*, विस्तारः, विस्तृतिः, आयासः, प्रसारः-रणां. 2 प्रयत्नः, प्रयासः, उद्यमः. 3 विषय, प्रसरः. 4 बाहुपचयः, अत्युक्ति *f.* -*er*, *s.* शिबिका.

Strew, *v. t.* अव-प्र-विकृ 6 P, स्तृ 9 U; सं-आ-परि°, आच्छद् 10.

Striate, *a.* रेखांकित.

Strict, *a.* अशिथिल, दृढ, नियत. 2 अनतिक्रमणीय, अतुल्यः; See Peremptory. 3 परुष, निष्ठुर, कठिन, कठोर, तीक्ष्ण, तीव्र. 4 सूक्ष्म, नियुग; 'on the s.-est search' अतिनियुगमन्विष्यापि. -ly, *adv.* अशिथिलं, परुषं, सनिश्चयं, परिच्छेदनिष्ठं, दृढं; 's. true' सर्वथा सत्य. -ness, *s.* अशिथिल्यं, सूक्ष्मता, काठिन्यं, &c.

Stricture, *s.* निंदा, भर्त्सना, आक्षेपः; See Censure. 2 प्रसावरोधः, मूत्रग्रंथिः.

Stride, *s.* विक्रमः, पादन्यासः, दीर्घविक्रमः. -*v.* वि-परि-क्रम् 1 U, 4 P, लम्ब 1 A, 10, आ-अध्या-रुह 1 P, आ-अध्या-क्रम.

Strife, *s.* कालिः, विवादः, कलहः, विप्रतिपत्ति *f.*, विरोधः, द्वन्द्वं.

Strike, *v. t.* हन् 2 P, प्र-अभि-उप° ०, आहन् 2 U, तुद् 6 P, प्रह 1 P (with loc.), तद् 10; आस्फल् *c.* (water); 's. on the face' मुखं चपेटां दा 3 U, हस्ततलेन प्रह. 2 विह्वु *c.*, पीड 10, अर्द् 1 P or *c.*; 'famine-s. on' दुर्भिक्ष-पीडित-विह्वुत. 3 (With wonder &c.) उपहन्, चकित-*a.* कृ; oft. by चकित-सविस्मय; 'was struck with the beauty of his horns' कृगशोभां दृष्ट्वा विस्मयमापेदे. 4 वद् *c.*, नद् *c.*, ध्वन् *c.* (lute &c.). 5 जन् *c.*, उत्पद् *c.*; 's. s. fear in the mind' चित्ते भयं जनयति; 's. ing deep root' स्थिरबद्ध-प्ररूढ-मूल; 's. sail' वातवह्नं अवपत् *c.* or अवद् *c.*, निश्चली-स्तव्धी-भू; 's. blind' अंधीकृ; 's. accounts' गणनां समीकृ; 'it struck me as wonderful' तद्दृष्टतामिर्वर्षां प्रतिबभौ; 'he was struck with wonder' तस्य हृदयं पस्पशं विस्मयः (Ka. 80), आश्चर्य-

चकितो बभूव; 'being used in its most general sense, it easily s.s the mind' तद्दि प्रसिद्धतरेण प्रयोगेण शीघ्रं बुद्धिमारो-हति, प्रसिद्धबलेन प्रथमतः प्रतीयते (S. B. 135, 137). -*v. i.* (Against) संघट्ट 1 A or *c.*, आस्फल् 1 P; See Dash. 2 संघुष कर्म परित्यज् 1 P; कार्यनिवृत्तिसंकेतं कृ. -down, नि-अव-पत् *c.*, शद् *c.* (ज्ञात-यति), आहत्य भूमौ पत् *c.* -for, प्र-स्था 1 A, प्र-या 2 P, निर्गम् 1 P; See Start. -off, वि-नद् *c.*, वि-लुप् *c.*; अप-न्या-युज् 2 P or *c.*, उच्छिद् 7 P. -out, (Fire) घर्षणेन-संघट्टनेन जन् *c.* 2 लुप् 6 P or *c.*, नद् *c.*, उच्छिद्, व्यामृज्; See Efface. 3 कल्प *c.*, चित् 10, युज् 7 U, 10, निरुप् 10. 4 मुद् यति (D.). -through, निर्भिद् 7 P, प्रविद् 6 P, प्रविश्य निर्गम्. -up, आरभ् 1 A, प्रस्तु 2 U; See Begin. -s. युगपत् or संघुष कार्यनिवृत्तिसंकेतः. -ing, *a.* वि-चित्र, आश्चर्यजनन (नी *f.*), अद्भुत, विस्म-यावह, आश्चर्यभूत, हृदयग्राहिन, चित्त-हारिन्. -ingly, *adv.* मनोहरं, विचित्रतया, अद्भुतं, अतीव, हृदयग्राहितया. -Stroke, *s.* आ-अभि-घातः, आहाति *f.*, प्रहारः, ताहनं, पातः; 's. of a thunder-bolt' वज्रपातः, अज्ञानिपातः. 2 रेखा, लेखा. 3 आक्रमः, अव-तारः, आवेशः, लंघनं; 'sun-s.' आतपलं-घनं, सूर्याभिघातः. 4 प्रयत्नः, आकास्मिकयत्नः; 's. of policy' नीत्युत्कर्षः, नयनियुगतः. -*v. t.* (पाणिना-हस्तेन) परामृद् 6 P, स्पृद् 6 P; (परामृशन् हर्षजडेन पाणिना R. III. 68); ज्ञानैः युज् 2 P or समालभ् 1 A, हस्तेन लल् 10.

String, *s.* रज्जु *f.*, गुणः, तंत्र-त्री (of lutes &c.), तंतुः, सूत्रं, दामन् *f. n.*, शुल्बं; See Rope; (of a bow) ज्या, गुणः, मोर्षी, शिजिनी. 2; परंपरा, माला, पंक्ति *f.*, अणि-णी *f.*, आवलि-ली *f.*; 's. of pearls' सुक्ता-वली, सुक्ताहारः-सरः. 3 (Human) शिरा. -*v. t.* सं-ग्रभ् 9 P, गुं(गु)प् 6 P, वि-रच् 10, सं-हृभ् 6 P, 10, सूद् 10. 2 तंत्रीभिः-गुणैः-बंध् 9 P; (a bow) अधिज्यं कृ; धनुषि ज्यां आरुह् *c.* or आतन् 8 U; 'a bow strung' अधिज्यं-आतहज्यं-आरोपितज्यं-धनुः; 'a string strung tight on a bow' धनुषि आतता मोर्षी (R. I. 19). -ed, *a.* तंत्रिन्, तंत्री-गुण-विशिष्ट, तंतुयुक्त. -y, *a.* सूत्रिन्, सूत्र-तंतु-मय (यी *f.*).

Stringent, *a.* तीक्ष्ण, कठोर, दृढ, अशिथिल.

Strip, *v. t.* अप-हृ 1 P, अप-नी 1 P, निर-हृ; gen. by अप, निर, वि in comp.; 's. of clothes' विवस्त्रयति (D.), निर्वस्त्रीकृ 8 U, उच्छिद् 10; 's. of bark' विवल्कयति (D.); निष्पत्रयति, निर्दलीकृ, &c. -s. खंडः